

कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। मंगलवार, 22 सितंबर 2026

भरतनाट्यम, कथक पर दिया मार्गदर्शन



■ **NBT न्यूज लखनऊ :** भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में पंडित बिरजू महाराज चैयर के तहत पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह के निर्देशन में दो सत्रों में विशेष विमर्श और नृत्य कार्यशाला हुई। पहले सत्र में विद्यार्थियों से सीधा संवाद हुआ, जबकि दूसरे सत्र में भरतनाट्यम

और कथक की प्रस्तुतियों का बारीकी से अवलोकन कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया।

कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि कला और संगीत का सच्चा आनंद समर्पण और आस्था से ही संभव है। कलाकार को बाहरी आकर्षण के साथ-साथ कला के आंतरिक सौंदर्य पर भी गौर करना चाहिए।

नृत्यांगना डॉ. सोनल मानसिंह ने ॐकार के नाद से सत्र की शुरुआत की। उन्होंने गुरु महिमा, वसुधैव कुटुंबकम् और नाट्यशास्त्र पर विचार साझा करते हुए कहा कि कला केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि जीवन को समझने और समाज को सही दिशा देने का माध्यम है। दूसरे सत्र में उन्होंने 'यतो हस्तस्ततो दृष्टिः' के सिद्धांत के जरिए हाथ, दृष्टि, मन और भाव के समन्वय को समझाया। समापन पर कुलपति ने स्मृति चिह्न देकर उनका आभार जताया।

ताल, लय की बारीकियां समझाई

■ **NBT न्यूज, लखनऊ:** बिरजू महाराज कथक संस्थान में सोमवार को 'ताल, लय और संगत- कथक नृत्य एवं गायन' विषय पर व्याख्यान-सह-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ख्यातिप्राप्त तबला वादक पं. रविनाथ मिश्र रहे। उन्होंने कथक नृत्य में लयकारी और तबला संगत की भूमिका को व्याख्यान व जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से सरल तरीके से समझाया।

कार्यक्रम में लहरा संगत पर आनंद दीक्षित, गायन में मीना वर्मा और तबले पर शिष्या आराध्या प्रवीण ने सहयोग किया। पं. मिश्र ने ताल, लय और नृत्य के बीच सामंजस्य को विभिन्न उदाहरणों और प्रस्तुतियों के जरिए स्पष्ट किया। विद्यार्थियों ने ताल-लय के प्रयोगों से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समाधान किया।

मंच संचालन डॉ. उपासना दीक्षित ने किया। संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर और उपाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश तिवारी के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कथक और संगीत में ताल-लय की व्यावहारिक समझ देना था।